शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर उनकी शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
वर्ष 2010-2011

मार्गदर्शक
डॉ. बी. रमेशबाबू
शिक्षा विभागाध्यक्ष
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.),
भोपाल (म.प्र.)

D- 337

शोधकर्ता
वनराजसिंह मकवाणा
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.),
भोपाल (म.प्र.)

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)

घोषणा पत्र

मैं **वनराजसिंह मकवाणा** एम.एड., छात्र (आर.आई.ई) यह घोषणा करता हूँ कि **"शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर उनकी शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन"** नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध सत्र-2010-2011 में मेरे द्वारा **डॉ. बी. रमेशबाबू** (शिक्षा विभागाध्यक्ष) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल के मार्गदर्शन में किया गया है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई) की 2010-2011 की उपाधि परीक्षा के आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध के हेतु लिये गये आंकडे एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये है। ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

स्थानः भोपाल
दिनांकः 2/5/11

शोधकर्ता

वनराजसिंह मकवाणा
एम.एड. (आर.आई.ई)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि वनराजसिंह मकवाणा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (आर.आई.ई.) के नियमित छात्र है। उन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघु शोध प्रबंध " **शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर उनकी शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन** " मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य निष्ठा एवं लगन से पूर्ण किया गया। प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (आर.आई.ई.) परीक्षा(2010–11) की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान– भोपाल
दिनांकः

निर्देशक

डॉ. बी. रमेशबाबू
शिक्षा विभागाध्यक्ष
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म.प्र.)

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध **"शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक पृष्ठभूमि के आधार पर उनकी शैक्षिक अभिवृत्ति का अध्ययन"** की सम्पन्नता मार्गदर्शक डॉ. जी. रमेशबाबू शिक्षा विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल उन्होंने जिस सरलता एवं रूचि से मार्गदर्शन किया इसके लिये मैं उनका अत्यन्त आभारी हूँ।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. सुब्रमण्यम जी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार गुप्ता, डॉ. सुनीति खरे, श्री संजय पंडागले एवं समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने समय–समय पर उचित मार्गदर्शन प्रदान किया।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष एवं पुस्तकालय में कार्यरत कर्मचारियों का भी आभारी हूँ।

मैं क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान में कार्यरत उन सभी कर्मचारियों का आभारी हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्य हेतु सहयोग दिया।

मैं उन शिक्षक–प्रशिक्षक कालेजों के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों का आभारी हूँ। जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन हेतु मुझे सहयोग प्रदान किया।

मैं हेमाकान्त वाकडे, धनजित वाकडे तथा महेन बेलवंशी आदि का आभारी हूँ। जिन्होंने इस कार्य को पूर्ण करने के लिए सतत सहयोग दिया।

मैं दिलीप वसावा, राजेश बारीया एवं अपने समस्त सहपाठियों का आभारी हूँ जिन्होंने इस कार्य को संपन्न करने हेतु समय-समय पर मुझे सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने माता-पिता एवं समग्र परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। जिन्होंने इस कार्य को पूर्ण करने के लिए अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

अतः में उन सभी को धन्यवाद करना चाहूँगा जिन्होंने इस लघुशोध कार्य को पूरा करने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मेरी मदद की है।

स्थान- भोपाल

दिनांकः 2/5/11

शोधकर्ता

वनराजसिंह मकवाणा
एम.एड. (छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

अध्याय प्रथम

	शोध परिचय	1-17
1.1	भूमिका	1-2
1.2	अध्यापक प्रशिक्षण की पृष्ठ भूमि	2-6
1.3	शिक्षा आयोग	6
1.4	प्रशिक्षण	7
1.5	शिक्षक प्रशिक्षण	8
1.6	शिक्षण प्रशिक्षण की आवश्यकता	9
1.7	अभिवृत्ति	9-11
1.8	शैक्षिक अभिवृत्ति	11-12
1.9	अभिवृत्ति के लक्षण	12
1.10	सामाजिक पृष्ठ भूमि	13
1.11	शोध अध्ययन की आवश्यकता	13-14
1.12	समस्या कथन	14
1.13	शोध अध्ययन के उद्देश्य	15
1.14	शोध अध्ययन की परिकल्पना	16
1.15	शोध अध्ययन का सीमांकन	17

अध्याय द्वितीय

साहित्य का पुनरावलोकन 18-22

2.1 भूमिका 18

2.2 पूर्व शोध आकंलन 18-22

अध्याय तृतीय

शोध की प्रविधि 23-31

3.1 भूमिका 23

3.2 न्यादर्श चयन 24

3.3 शोध के चर 25

3.4 शोध में प्रयुक्त उपकरण 25-27

3.5 शोध में प्रयुक्त उपकरणों का प्रशासन 28-29

3.6 प्रदत्तों के संकलन में प्रयुक्त कठिनाईयाँ 29

3.7 उपकरणों से संकलित प्रदत्तों की अंकन विधि 29-31

3.8 प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय 31

अध्याय- चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 32-46

4.1 भूमिका 32

4.2 परिकल्पना का परीक्षण 32-45

4.3 परिकल्पना का परिणाम 46

अध्याय- पंचम

शोध निष्कर्ष सारांश 47-

5.1	भूमिका	47
5.2	समस्या कथन	47
5.3	शोध के चर	48
5.4	शोध के उद्देश्य	48-49
5.5	शोध की परिकल्पना	49-50
5.6	न्यादर्श चयन	50-51
5.7	शोध में प्रयुक्त उपकरण	51
5.8	शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी	52
5.9	शेध परिकल्पना का परिणाम	52
5.10	निष्कर्ष एवं व्याख्या	53-54
5.11	सुझाव	54-55
5.12	भावि शोध हेतु सुझाव	55

संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट